वर्ष 29 अंक 93
पृष्ठ 24+4+4=32
बरेली, रविवार
24 सितंबर 2017
नगर संस्करण
मूल्य ₹ 5.00

विश्व का सर्वाधिक पढ़ा जाने वाला अखबार
दैनिक जागरण

PAGE NO.: 2 TOP LEFT, MIDDLE

एक फोन पर घर बैठे मिलेगी दवा

स्वास्थ्य मंत्री बोले, जल्द शुरू होगी टेली कंसल्टेंट और टेली पैथोलॉजी सुविधा

जागरण संवाददाता, बरेली : प्रदेश में स्वास्थ्य व्यवस्था की स्थिति ठीक नहीं। इसे सुधारने के लिए जल्द टेली कंसल्टेंट और टेली पैथोलॉजी सुविधा शुरू होगी। इसके जरिये सूबे के मरीजों को एक फोन पर घर बैठे दवा मिल जाएगी। इसके बाद भी जरूरत पड़ी तो टेली मेडिसिन से उन्हें इलाज दिया जाएगा।

प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री सिद्धार्थ नाथ सिंह ने मौजूदा स्वास्थ्य व्यवस्था में सुधार को किए जा रहे प्रयासों के बारे में बताया। वह एसआरएमएस मेडिकल कॉलेज में आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए थे। यहां मोबाइल टेलीमेडिसिन बस व टेलीमेडिसिन ई-हेल्थ सेंटर के उद्घाटन के बाद उन्होंने भावी डॉक्टरों से प्रतिज्ञा को याद रखकर गरीबों तक स्वास्थ्य सेवाएं ले जाने को कहा। उन्होंने कहा कि टेली मेडिसिन का कॉन्सेप्ट अच्छा है, लेकिन इसमें मरीजों को डॉक्टर के पास तक आना होगा। हम प्रदेश में ऐसी व्यवस्था कर रहे हैं, जिसमें मरीजों को घर बैठे ही दवा मिल जाएगी। बोले, जल्द ही टेली कंसल्टेंट और टेली पैथोलॉजी सुविधा शुरू होगी। इसमें मरीज फोन करेगा जो कमांड एंड कंट्रोल सेंटर पर दर्ज होगा। वहां बैठे डॉक्टर फोन पर ही मरीज की बात सुनेंगे। अगर मरीज की जांच करानी होगी तो टेली पैथोलॉजी का स्टाफ उसके घर जाकर सैंपल लेगा और रिपोर्ट सेंटर पर अपलोड कर देगा। जांच रिपोर्ट के आधार पर डॉक्टर उस मरीज को दवा लिख देगा। फिर वह दवा घर का कोई भी शख्स नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र से ले आएगा। मरीज गंभीर होने पर 108 एंबुलेंस से उसे जिला अस्पताल भेजा जाएगा। वहां अगर जरूरत होगी तो टेली मेडिसिन के जरिए बड़े अस्पतालों के सहयोग से उसका इलाज होगा। स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि प्रदेश के सभी 175 जिला अस्पतालों का कायाकल्प कर उन्हें प्राइवेट अस्पताल का लुक दिया जाएगा। पांच जिला अस्पतालों मेडिकल कॉलेज बनाने की तैयारी भी चल रही है। करीब डेढ़ सौ मोबाइल मेडिकल भी जल्द लांच किए जाएंगे। कार्यक्रम अध्यक्ष वित्त मंत्री राजेश अग्रवाल ने स्वास्थ्य मंत्री से जिले को सुविधाएं देने का आग्रह किया। बोले, यहां के मेडिकल कॉलेज, प्राइवेट अस्पतालों को सुविधा मिले तो सेवा के क्षेत्र में बड़ा काम कर जाएंगे। कई विशेषज्ञ मरीजों को मिल जाएंगे। एसआरएमएस ट्रस्ट के संस्थापक एवं प्रबंध न्यासी देव मूर्ति ने दो अक्टूबर से पैरामेडिकल छात्रों को गांवों में भेजकर लोगों के रक्त की जांच कराई जाएगी।

एसआरएमएस में टेलीमेडिसिन ई-हेल्थ सेंटर का उद्घाटन करने के बाद मरीज व डॉक्टर से बात करते स्वास्थ्य मंत्री सिद्धार्थ नाथ सिंह, वित्त मंत्री राजेश अग्रवाल व साथ में खड़े देव मूर्ति व आदित्य मूर्ति • जागरण

सहूलियत

- सभी जिला अस्पतालों की बदलेगी सूरत, पांच मेडिकल कॉलेज बनेंगे
- डॉक्टरों की कमी होगी दूर, जल्द होगी नई भर्तियां, आकर्षक वेतन की तैयारी

अस्पतालों में जल्द तैनात होंगे पांच हजार डॉक्टर

स्वास्थ्य मंत्री सिद्धार्थ नाथ सिंह ने बताया कि मौजूदा वक्त में प्रदेश में 7800 डॉक्टरों व 18500 पैरामेडिकल स्टाफ की कमी है। जल्द पांच हजार डॉक्टरों की तैनाती होगी। दो हजार डॉक्टर लोक सेवा आयोग से मिले हैं। पीएलएस व आयुष के करीब चार हजार डॉक्टर हैं, जिनमें से एक महीने में दो हजार डॉक्टर स्वास्थ्य केंद्रों में भेजे जाएंगे। कैबिनेट ने पांच सौ स्पेशियलिस्ट व पांच सौ एमबीबीएस डॉक्टरों को 30 फीसद अधिक वेतन से लाने की मंजूरी मिली है। प्रदेश में एक हजार जेनरिक दवा केंद्र खोलने को जल्द टेंडर होंगे। ये सीएचसी व जिला अस्पताल में खुलेंगे। एक एम्स, 25 सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल खोलने की तैयारी है। सभी जिला अस्पतालों का कायाकल्प होगा और पांच जिला अस्पतालों को मेडिकल कॉलेज बनाया जाएगा। बरेली में दो-तीन माह में डायलिसिस यूनिट शुरू हो जाएगी।

मरीज से ऑनलाइन रूबरू हुए स्वास्थ्य मंत्री

जागरण संवाददाता, बरेली : करीब 15 साल पहले का हमीरपुर का गांव आज भी जेहन से नहीं निकलता। वहां छोटी बच्ची को कूड़े के ढेर में सिर्फ इसलिए दबा दिया, क्योंकि उसे छूत की बीमारी हो गई थी। कोई भी उसे अस्पताल ले जाने को तैयार नहीं था। मजबूर मां के सामने बच्ची ने तड़पकर तीन दिन में दम तोड़ दिया। अब प्रदेश में कहीं भी हमीरपुर जैसा गांव नहीं रहने दूंगा। गांव के हर मरीज तक डॉक्टर की सुविधा पहुंचाई जाएगी।

एसआरएमएस मेडिकल कॉलेज में स्वास्थ्य मंत्री सिद्धार्थ नाथ सिंह ने ये बातें कहीं। उन्होंने मोबाइल टेली मेडिसिन बस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। साथ ही लैपटॉप पर बटन दबाकर टेली मेडिसिन ई-सेंटर, गांव भैरपुर का उद्घाटन किया। खुद ऑनलाइन होकर सेंटर पर मौजूद मरीज बसई गांव के बेचेलाल से हाल पूछा। मरीज ने सांस की बीमारी के बारे में बताया। उन्होंने प्रशिक्षु चिकित्सक डा. शैलेश गुप्ता से पूछा कि परामर्श कहां से ले रहे हैं। उनके साथ वित्त मंत्री राजेश अग्रवाल ने भी मरीज से ऑनलाइन होकर हाल जाना। ट्रस्ट के संस्थापक व प्रबंध न्यासी देव मूर्ति ने ट्रस्ट द्वारा पिछले 15 साल में कराए गए कामों को बताया। ब्लूलेट पैकार्ड इंटरप्राइजेज के निदेशक (कारपोरेट अफेयर्स) अम्बरीष बकाया ने टेलीमेडिसिन की संकल्पना एवं प्रोजेक्ट पर प्रकाश डाला। ट्रस्ट के प्रबंध न्यासी देव मूर्ति ने अतिथियों को शॉल ओढ़ाकर व स्मृति चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया। ट्रस्ट के सचिव आदित्य मूर्ति ने सभी का धन्यवाद दिया। कार्यक्रम में ट्रस्टी आशा मूर्ति, ट्रस्ट प्रशासक सुभाष मेहरा, गुरु मेहरोत्रा, रिचा मूर्ति, सुरेश सुंदरानी, सुशील साहला, भारत भूषण शील, आरके गोयल, प्राचार्य डा. आरपी पुरोहित, मेडिकल डायरेक्टर डा. निर्मल यादव, डीन यूजी डा. राहुल गोयल, चिकित्सा अधीक्षक ब्रिगेडियर डा. एसके सोंधा, डा. एमजी अग्रवाल, डा. एसबी गुप्ता, डा आरपी मेहता मौजूद रहे।